हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, रविवार 5 अप्रैल 2026

13 सभी बूथों पर मनाया जाएगा पार्टी का स्थापना ...

14 गांव जुई से भाखड़ा तक आने वाली लाइन के ...

SARASWATI VIDYA VIHAR
Asalwas Dubia

Anchal Hospital, Bhiwani & Medanta Hospital, Gurugram
Free Medical Camp for ex-servicemen, their families, and citizens of the village

निःशुल्क मेडिकल कैंप
बेहतरीन चिकित्सा अंचल हॉस्पिटल व मेदांता के अनुभवी डॉक्टर्स द्वारा

medanta FOUNDATION

Saraswati Vidya Vihar, Asalwas Dubia

Today
Time: 10:00 AM - 3:00 PM

Dr. Vinod Anchal
Director, Anchal Hospital

Dr. Krishna Kumar
MBBS, MS Surgery, Senior Surgeon

Dr. Lakshya Yadav
MBBS, MD Medicine, Senior Consultant

Dr. Akshara Mishra
MBBS, MS OBGYN, Obstetrician and Gynecologist

Dr. Jitendra Saini
MBBS, MS Orthopedics, Joint Replacement Surgeon

Dr. Anita Anchal
Senior Gynecologist

Dr. Soumya Srivastava
MBBS, MD Neonatologist, Newborn and Child Specialist

Dr. Priyanshu Sharma
General Physician Medanta

Dr. Himanshu Poonia
General Physician Medanta

Dr. Rajat Kumar
General Physician Medanta

विधायक के जनता दरबार में पहुंची कई गांवों की पंचायतें

10 किलोमीटर के दायरे में टोल छूट का मुद्दा उठाया

विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने मौके पर ही डीसी से बातचीत की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा विश्राम गृह में विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि द्वारा लगाए गए जनता दरबार में टोल का मुद्दा जोरदार तरीके से उठा। बवानीखेड़ा, बलियाली, पुर, रामपुरा, सुई सहित लोहारी जाटू गांवों की पंचायतों व ग्रामीणों ने टोल टैक्स से छूट की मांग को लेकर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने बताया कि उनके गांव टोल प्लाजा से 10 किलोमीटर के दायरे में आते हैं, ऐसे में उन्हें टोल शुल्क से मुक्त किया जाना चाहिए।

बवानीखेड़ा। टोल छूट की मांग को लेकर विधायक को ज्ञापन सौंपते हुए।

बार-बार करना पड़ता है टोल पार : ग्रामीण

इस दौरान बवानीखेड़ा सरपंच एसोसिएशन के प्रधान, बलियाली के सरपंच, लोहारी जाटू के सरपंच प्रतिनिधि, पुर के सरपंच प्रतिनिधि, सुई के सरपंच, सरदार गुरबक्श सिंह, सरदार अशोक सरदाना और सुनील जांगड़ा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। ग्रामीणों ने कहा कि रोजमर्रा के काम, खेती-बाड़ी और अन्य जरूरी कार्यों के लिए उन्हें बार-बार टोल पार करना पड़ता है, जिससे उन पर आर्थिक बोझ बढ़ रहा है। उनका कहना है कि सरकार के नियमों के अनुसार 10 किलोमीटर के दायरे में आने वाले स्थानीय निवासियों को राहत मिलनी चाहिए, लेकिन इसके बावजूद उनसे टोल वसूला जा रहा है। इस पर विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि ने मौके पर ही भिवानी के डीसी साहिल गुप्ता से बातचीत की। डीसी ने इस मामले को लेकर मंगलवार को पंचायत प्रतिनिधियों को मिलने का समय दिया है। ग्रामीणों ने यह भी बताया कि कई बार इस मुद्दे को उठाया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं हो पाया है। पंचायत प्रतिनिधियों ने विधायक से मांग की कि वे इस मामले को गंभीरता से उठाकर संबंधित विभाग से बात करें और स्थानीय ग्रामीणों को टोल से छूट दिलवाएं। पांचों गांव के सरपंच, सरपंच प्रतिनिधियों सहित ग्रामीणों ने बताया कि बामला टोल से खरक की दूरी करीब 10 किलोमीटर है और वहां के निवासियों से टोल नहीं लिया जाता। उनका कहना है कि जब समान दूरी होने के बावजूद वहां छूट दी जा रही है, तो बलियाली, पुर, रामपुरा, सुई और लोहारी जाटू के ग्रामीणों को भी टोल से मुक्त किया जाना चाहिए।

टोल के दस किलोमीटर के दायरे में आने वाले गांव

टोल से दस किलोमीटर के दायरे में आने गांवों में जाटू लोहारी, पूर, सिवाड़ा, बलियाली व सुमड़ा खेड़ा, सिवाना, अलखपुरा, पपोसा, खेड़ी दौलतपुर, जीता खेड़ी व जमालपुर शामिल है। इन गांवों में अधिकांश गांव पांच से छह किलोमीटर के दायरे में हैं। कायदे से इन गांवों के लोगों का टोल टैक्स माफ होना चाहिए। अन्य टोल पर इस तरह की सुविधा दी हुई है।

नियमन टोल पर छूट का कोई प्रावधान नहीं

टोल मैनेजर सुकेश कुमार ने बताया कि नियमन टोल पर छूट का कोई प्रावधान नहीं है। उसके बाद भी इस मामले को लेकर कोई बातचीत का आधार बनता है तो वे बातचीत के लिए तैयार है। रही बात सर्विस रोड की,वे उनके अधिकार क्षेत्र की नहीं है। इस बारे में एनएचआई के अधिकारी ही बेहतरीन ढंग से बता सकते हैं।

आज होगी बवानीखेड़ा टोल के समक्ष महापंचायत सामाजिक संगठनों ने चलाया जनसंपर्क अभियान

भिवानी। शनिवार को हरियाणा जागृति मोर्चा सहित अनेक सामाजिक संगठनों ने पांच अप्रैल को सुबह दस बजे टोल प्लाजा पर होने वाली महापंचायत की सफलता को लेकर जनसम्पर्क अभियान चलाया। इस दौरान हरियाणा जागृति मोर्चा के सदस्यों ने लोगों को महापंचायत में पहुंचने का न्योता दिया। यहां बताते चले कि 22 मार्च को बवानीखेड़ा में टोल फ्री करवाने तथा सर्विस रोड बनवाने की मांग को लेकर महापंचायत का आयोजन किया गया था। जिसमें लोगों ने बवानीखेड़ा व आसपास के इलाकों में रहने वाले लोगों का टोल फ्री कराए जाने की मांग की थी। साथ ही बवानीखेड़ा में नए बाईपास के साथ सर्विस रोड बनवाए जाने की मांग की थी। जिस पर एनएचआई के अधिकारियों ने आला अधिकारियों से बातचीत करके नियम के हिसाब से छूट दिलाए जाने का भरोसा दिलाया था। इसी मामले को लेकर सामाजिक संगठन के सदस्यों ने पांच अप्रैल को टोल पर महापंचायत बुलाने का फैसला लिया। महापंचायत को लेकर हरियाणा जागृति मोर्चा के अध्यक्ष राजेश सिंधू ने अनेक लोगों को लेकर बवानीखेड़ा व आसपास इलाके में जनसम्पर्क अभियान चलाया।

बवानीखेड़ा नपा ने चलाया बेसहारा पशुओं को पकड़ने का अभियान

बवानीखेड़ा। सड़कों पर घूम रहे बेसहारा पशुओं की बढ़ती समस्या को देखते हुए नगर पालिका द्वारा विशेष अभियान चलाया गया। इस अभियान के तहत पालिका सफाई कर्मचारियों की टीम ने विभिन्न स्थानों पर घूम रहे पशुओं को पकड़कर सुरक्षित स्थान पर भेजने की कार्रवाई की। हालांकि नपा द्वारा पशुओं को पकड़ने का टैंडर भी छोड़ा गया बताया जाता है। नगर पालिका दरोगा प्रदीप व कर्मचारियों ने बताया कि बाजार क्षेत्र, बस स्टैंड और मुख्य सड़कों पर बेसहारा पशुओं के कारण अक्सर जाम और दुर्घटनाओं का खतरा बना रहता है। इसी को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका की टीम ने अभियान चलाकर लगभग 28 गायों व सांडों आदि पशुओं को पकड़ा। कर्मचारियों ने रस्सियों और अन्य उपकरणों की सहायता से पशुओं को काबू में किया। नपा प्रधान सुंदर अत्री ने बताया कि यह अभियान लगातार जारी रहेगा ताकि शहर की सड़कों पर आवारा पशुओं से होने वाली परेशानी को कम किया जा सके। साथ ही उन्होंने पशु मालिकों से भी अपील की कि वे अपने पशुओं को खुले में न छोड़ें और उन्हें बांधकर रखें।

सीआरपीएफ में तैनात हेड कांस्टेबल विरेन्द्र पंचतत्व में विलीन, दी सलामी

तोशाम। सीआरपीएफ में तैनात हेड कास्टेबल विरेन्द्र सिंह पंचतत्व में विलीन हुए। सैनिक सम्मान के साथ शनिवार को उनको गांव बुसान में अंतिम विदाई दी गई। उनके 10 वर्षीय बेटे रवि ने चिता को मुखाग्नि दी। सीआरपीएफ में तैनात हैड कास्टेबल विरेन्द्र सिंह सुपुत्र स्व. रायसिंह पश्चिम बंगाल में तैनात थे, एक घटना में 02 अप्रैल को प्राण पूरे हो गए थे।

पुष्पचक्र अर्पित किया : आस पास के गांवों से आए अनेक गणमान्य नागरिकों ने परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की। उनकी एक 14 वर्षीय बेटी रितिका है। दिल्ली से आई सीआर पीएफ की टुकड़ी के इंचार्ज कैप्टन जयसिंह के नेतृत्व में टुकड़ी ने सलामी देकर अंतिम विदाई दी। वहीं कैबिनेट मंत्री श्रुति चौधरी व राज्यसभा सांसद किरण चौधरी के ओर से प्रतिनिधि एडवोकेट हरिसिंह सागवान, तहसील कार्यालय से कानूनगो राजेन्द्र जाखड़, सीआरपीएफ की टुकड़ी का नेतृत्व कर रहे इंस्पेक्टर भरत सिंह और पुलिस विभाग के उप निरीक्षक सुनील कुमार ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

नायब तहसीलदार ने मंडी में फसल खरीद व्यवस्थाओं का लिया जायजा

तोशाम। नायब तहसीलदार अशोक कुमार ने शनिवार को अनाज मंडी तोशाम के अलावा खरीद केंद्र पटौदी का औचक निरीक्षण किया। नायब तहसीलदार ने जूई रोड पर स्थित एक अनाज मिल का भी निरीक्षण कर रिकार्ड जांचा। उन्होंने मंडी और खरीद केंद्र में अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि खरीद प्रक्रिया में किसानों की सुविधा सर्वोपरि रहनी चाहिए। इस दौरान मार्केट कमेटी सचिव सुदेश श्योराण उपस्थित रही। निरीक्षण के दौरान नायब तहसीलदार ने अनाज भंडारण की व्यवस्था, वेट मशीनों के संचालन और खरीद से संबंधित बारीकियों की जांच की। उन्होंने सम्बंधित अधिकारियों को सख्त हिदायत दी कि अनाज का सही वजन और उचित तरीके से खरीद सुनिश्चित की जाए।

शहर के अंदर कर्मचारी तो बाहरी क्षेत्रों में मशीन से होगी सफाई

'स्वीपिंग मशीन' से चमकेगा 'सर्कुलर रोड'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अब जल्द ही शहर के बाहरी कॉलोनियों की सड़कें व सरकूलर रोड चमकता नजर आएगा। चूंकि अब नगरपरिषद शहर के सरकूलर रोड व बाहरी कॉलोनियों की सड़कों की सफाई स्वीपिंग मशीन से करवाने जा रहा है।

नप ने मशीन किसी एजेंसी से किराए पर नहीं बल्कि अब परचेज कर ली है। सोमवार से मशीन शहर की सड़कों को साफ करने का कार्य शुरू कर देगी। हालांकि अंदरूनी व तंग गलियों वाले इलाके में अभी भी सफाई कर्मचारी ही सफाई करेंगे,लेकिन बाहरी कॉलोनी की सड़कों पर कहीं पर भी कचरा नजर नहीं आएगा। इसके लिए रोजाना स्वीपिंग मशीन सफाई करेगी और कचरे को ट्रैक्टर व ट्राली में लोड भी करेगी। विगत में सफाई का ठेका खत्म हो गया था। उसके बाद से सफाई कर्मचारी अंदरूनी शहर व बाजारों तक ही सफाई कर पाते थे। बाहरी कॉलोनी व सरकूलर रोड की सफाई कभी कभार हो पा रही थी। जिस वजह से शहर की स्वच्छता व सौंदर्यकरण को ग्रहण लग रहा था। अब स्वीपिंग मशीन आने के बाद सर्कुलर रोड व अन्य सड़कों की रोजाना सफाई होगी। सड़क के अलावा उक्त मशीन से फुटपाथों की भी सफाई हो सकेगी।

स्वच्छता में अव्वल रहने की तैयारी: भवानी प्रताप

नगरपरिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने बताया कि अब शहर के बाहरी कॉलोनियों की सड़कें व सर्कुलर रोड की सफाई मशीन से होगी। इसके लिए नप ने स्वीपिंग मशीन खरीदी है। शहर का दायरा बढ़ा है,लेकिन सफाई के संसाधन नहीं बढ़े थे। उसी क्रम में उक्त मशीन परचेज की गई है। इनके अलावा अंदरूनी शहर में सफाई के कार्य में त्वरिता लाने के लिए सफाई कर्मचारियों को रेहड़ी, हाथ की रेहड़ी वितरित की गई है। ताकि सफाई को पंख लगाए जा सके। उन्होंने इस साल भिवानी को स्वच्छता मामले में पहले स्थान पर लाने का दावा किया।

VAISH INTERNATIONAL SCHOOL
Near Devsar Chungi Circular Road, Bhiwani
A Co-Educational English Medium Day School
Affiliated to CBSE, New Delhi (Affiliation No.532162)
NURSERY TO 9th & 11th CLASS
(Science, Commerce & Arts)

WE ARE HIRING! JOIN OUR TEAM
SITUATION VACANT
Walk in interview
12 April 2026
at 10.00 a.m.
at school campus

SCHOLARSHIP TEST (Classes I to IX & XI)
on 5th, 12th & 19 April 2026 (Sundy) TIME : 11:00 AM
Grade - 1 ₹ 11,000/- Grade - 2 ₹ 7,100/- Grade - 3 ₹ 5,100/-

Special Admission Drive for
9th ,10th &11th Foundation Course for
NEET, IIT & JEE
HYBRID SCHOOL INTEGRATED PROGRAM

Academics and competitive exams prep together AT ONE PLACE !
Powered By
PHYSICS WALLAH | VIDYAPEETH —PATHSHALA—
SVG CENTRE OF EXCELLENCE

TEACHING STAFF -
PRT & TGT All Subject
PGT - Hindi, Physics, Chemistry, Maths, Biology, Commerce, Economics, History, Geography, Political Science, I.T.
• NTT & Coordinator
• English Communicator
• Sports Teacher
• Music Teacher • Dance Teacher
• Librarian
Admin Staff
• Accountant • Clerk • Receptionist
• Lab Attendants
Supporting Staff
• Peon • Sweepers • Drivers
• Security Guard • Maids for NTT Classes

COMPREHENSIVE PREPARATION
BOARD FOCUS
COMPETITIVE EDGE ALL INDIA TEST SERIES
EXPERT GUIDANCE

Enquiry 8168006945
Principal Dr. Kartar Singh Jakhar
M.: 9466205662

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता हैकाम

बाजार की उठापटक

एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने दिया बढ़िया रिटर्न

बाजार की अनिश्चितता के बीच भी एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने यह साबित किया है कि सही रणनीति और अनुभव के दम पर बेहतर रिटर्न हासिल किया जा सकता है। हालांकि, हर निवेश में जोखिम होता है, इसलिए सोच-समझकर और अपने वित्तीय लक्ष्यों के अनुसार ही निवेश करना चाहिए। आज के समय में सबसे समझदारी भरा कदम यही है कि निवेशक एक्टिव और पैसिव दोनों का संतुलित पोर्टफोलियो बनाएं। इससे न केवल जोखिम कम होगा, बल्कि लंबी अवधि में बेहतर और स्थिर रिटर्न पाने की संभावना भी बढ़ेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव कोई नई बात नहीं है। वैश्विक तनाव, महंगाई, ब्याज दरों में बदलाव और आर्थिक अनिश्चितता जैसे कई कारण बाजार को प्रभावित करते रहते हैं। ऐसे माहौल में अक्सर निवेशक असमंजस में पड़ जाते हैं कि पैसा कहां लगाया जाए। लेकिन हाल के वर्षों के आंकड़े एक अलग कहानी बताते हैं—बाजार की अस्थिरता के बावजूद एक्टिव म्यूचुअल फंड्स ने निवेशकों को बेहतर रिटर्न देकर उम्मीद जगाई है। पिछले तीन वर्षों में जब दुनिया ने महामारी के बाद की आर्थिक चुनौतियों, युद्ध जैसे हालात और वैश्विक मंदी के डर का सामना किया, तब भारतीय म्यूचुअल फंड उद्योग ने मजबूती दिखाई। खासकर एक्टिव फंड मैनेजमेंट ने निवेशकों के लिए अतिरिक्त रिटर्न पैदा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। आंकड़ों के अनुसार, बड़ी संख्या में एक्टिव फंड्स ने अपने बेंचमार्क इंडेक्स से बेहतर प्रदर्शन किया है, जिसे वित्तीय भाषा में "पॉजिटिव अल्फा" कहा जाता है। इसका मतलब है कि फंड मैनेजर ने बाजार से बेहतर कमाई कराई।

छोटी कंपनियों में बड़ा मौका

अगर विभिन्न कैटेगरीज पर नजर डालें तो स्मॉलकैप फंड्स ने सबसे ज्यादा आकर्षक रिटर्न दिया है। इसकी वजह साफ है—छोटी कंपनियों के बारे में जानकारी सीमित होती है और उनमें ग्रोथ की संभावनाएं ज्यादा होती हैं। ऐसे में कुशल फंड मैनेजर सही स्टॉक्स का चयन करके निवेशकों को ज्यादा फायदा दिला सकते हैं। मिडकैप और लार्जकैप फंड्स ने भी अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन इनमें प्रतिस्पर्धा ज्यादा होती है और जानकारी सार्वजनिक रूप से उपलब्ध होती है।

निवेशकों के लिए बने कमाई का मजबूत जरिया

●

युद्ध या आर्थिक संकट के समय सक्रिय प्रबंधन आता है काम

कठिन समय में एक्टिव मैनेजमेंट की अहमियत

जब बाजार में अनिश्चितता बढ़ती है, तब एक्टिव फंड्स की असली ताकत सामने आती है। पैसिव फंड्स जहां केवल इंडेक्स को फॉलो करते हैं, वहीं एक्टिव फंड मैनेजर के पास फैसले लेने की पूरी स्वतंत्रता होती है। वे बाजार की स्थिति के अनुसार पोर्टफोलियो में बदलाव कर सकते हैं। जैसे कि कमजोर प्रदर्शन करने वाले शेयरों से बाहर निकलना और मजबूत संभावनाओं वाले स्टॉक्स में निवेश बढ़ाना। यही लचीलापन एक्टिव फंड्स को अलग बनाता है। उदाहरण के तौर पर, जब किसी सेक्टर में गिरावट आती है, तो एक्टिव मैनेजर वहां से पैसा निकालकर दूसरे उभरते सेक्टर में निवेश कर सकते हैं। इससे जोखिम कम होता है और रिटर्न बेहतर बनने की संभावना बढ़ती है।

पैसिव फंड्स का बढ़ता ट्रेंड

हाल के वर्षों में पैसिव फंड्स यानी इंडेक्स फंड्स और ईटीएफ का चलन भी तेजी से बढ़ा है। इसकी सबसे बड़ी वजह है इनकी कम लागत। चूंकि इन फंड्स में एक्टिव मैनेजमेंट नहीं होता, इसलिए इनका एक्सपेंस रेशियो कम रहता है। विशेषज्ञों का मानना है कि लार्जकैप सेगमेंट में पैसिव फंड्स एक अच्छा विकल्प बनते जा रहे हैं। इसका कारण यह है कि बड़ी कंपनियों के बारे में सभी को जानकारी होती है, जिससे एक्टिव मैनेजर के लिए अतिरिक्त रिटर्न निकालना मुश्किल हो जाता है। ऐसे में कम लागत वाले पैसिव फंड्स निवेशकों के लिए फायदेमंद साबित हो सकते हैं।

एक्टिव और पैसिव का संतुलन जरूरी

निवेश के मामले में "एक ही रास्ता सही है" ऐसा नहीं होता। समझदारी इसी में है कि निवेशक अपने पोर्टफोलियो में एक्टिव और पैसिव दोनों तरह के फंड्स का संतुलन बनाए रखें। जहां एक्टिव फंड्स आपको अतिरिक्त रिटर्न का मौका देते हैं, वहीं पैसिव फंड्स स्थिरता और कम लागत का फायदा देते हैं। उदाहरण के तौर पर, आप अपने निवेश का एक हिस्सा लार्जकैप इंडेक्स फंड में रख सकते हैं और दूसरा हिस्सा मिडकैप या स्मॉलकैप एक्टिव फंड्स में लगा सकते हैं। इससे जोखिम भी संतुलित रहेगा और रिटर्न की संभावना भी बेहतर होगी।

निवेश से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- **लंबी अवधि का नजरिया रखें :** बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य है, इसलिए निवेश को कम से कम 3-5 साल के नजरिए से देखें।
- **फंड का ट्रैक रिकॉर्ड देखें:** केवल हाल का प्रदर्शन ही नहीं, बल्कि लंबी अवधि का रिकॉर्ड भी जांचें।
- **फंड मैनेजर की रणनीति समझें:** यह जानना जरूरी है कि फंड किस तरीके से निवेश करता है।
- **डायवर्सिफिकेशन बनाए रखें :** सभी पैसे को एक ही फंड या कैटेगरी में न लगाएं।
- **नियमित निवेश (एसआईपी):** बाजार के उतार-चढ़ाव से बचने के लिए एसआईपी एक अच्छा तरीका है।

पैसों की सही समझ ही बनाएगी आपको धनवान

बेहतर लाइफ के लिए फाइनेंशियल लिटरेसी क्यों है जरूरी

फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ सपने देखने तक सीमित नहीं यह बल्कि उन्हें हासिल करने की सही दिशा भी देती है

हर व्यक्ति के जीवन में कुछ लक्ष्य होते हैं। जैसे घर खरीदना, बच्चों को अच्छी शिक्षा देना या रिटायरमेंट के बाद आरामदायक जीवन जीना। इसके लिए मेहनत और कमाई जरूरी हैं, लेकिन इन लक्ष्यों को हासिल करना इस बात पर भी निर्भर करता है कि आप अपने पैसों को कितनी समझदारी से संभालते हैं। यहीं पर फाइनेंशियल लिटरेसी की भूमिका अहम होती है। फाइनेंशियल लिटरेसी आपको सिर्फ सपने देखने से आगे बढ़कर उन्हें प्लान करने में मदद करती है। जैसे सिर्फ यह कहना कि 'मुझे घर खरीदना है' काफी नहीं है, बल्कि आपको यह समझना होता है कि उसकी कीमत क्या होगी, कब खरीदना है और हर महीने कितनी बचत करनी होगी।

लक्ष्य तय करते समय ध्यान रखें

- लक्ष्य स्पष्ट और समयबद्ध होना चाहिए
- उसकी अनुमानित लागत का पता होना चाहिए
- हर महीने कितनी बचत करनी है, यह तय करें
- लक्ष्य को छोटे-छोटे हिस्सों में बांटें
- उदाहरण के लिए, अगर आप घर खरीदना चाहते हैं, तो उसकी कीमत, डाउन पेमेंट और समयसीमा का स्पष्ट प्लान बनाना जरूरी है।

बजट बनाना: पैसों को संभालने की सबसे जरूरी स्कि बजट बनाना आपके वित्तीय जीवन की नींव है। यह आपको यह समझने में मदद करता है कि आपकी आमदनी कहां खर्च हो रही है और कहां बचत की जा सकती है।

बजट बनाने के फायदे

- खर्चों पर नियंत्रण मिलता है
- बचत की आदत विकसित होती है
- फालतू खर्च कम होते हैं
- वित्तीय लक्ष्य हासिल करना आसान होता है
- आसान बजट नियम (50-30-20)
- 50%: जरूरतें (खाना, किराया, बिल)
- 30%: इच्छाएं (घूमना, शॉपिंग)
- 20%: बचत और निवेश
- नियमित बचत, चाहे छोटी ही क्यों न हो, समय के साथ बड़ी पूंजी में बदल जाती है।

लोन और क्रेडिट कार्ड का सही इस्तेमाल

- आज के समय में लोन और क्रेडिट कार्ड आम हो गए हैं, लेकिन इनका गलत उपयोग आपको कर्ज के जाल में फंसा सकता है।
- समय पर ईएमआई और बिल का भुगतान करें
- जरूरत के अनुसार ही कर्ज लें
- क्रेडिट कार्ड का लिमिट से ज्यादा उपयोग न करें
- ब्याज दरों को समझें

ध्यान रखने योग्य बातें

- लेट पेमेंट से ब्याज तेजी से बढ़ता है
- खराब क्रेडिट स्कोर भविष्य में लोन मिलने में दिक्कत पैदा कर सकता है
- जिम्मेदारी से उपयोग करने पर क्रेडिट स्कोर बेहतर होता है

समझदारी से निवेश : पैसे को बढ़ाने का तरीका सिर्फ पैसे बचाना काफी नहीं है, उसे बढ़ाना भी जरूरी है। इसके लिए निवेश सबसे प्रभावी तरीका है।

निवेश क्यों जरूरी है

- महंगाई से बचाव
- लंबे समय में संपत्ति निर्माण
- अतिरिक्त आय का स्रोत

निवेश के विकल्प

- म्यूचुअल फंड
- शेयर बाजार
- फिक्स्ड डिपॉजिट
- पब्लिक प्रोविडेंट फंड (पीपीएफ)
- सही निवेश का चयन आपके लक्ष्य, जोखिम लेने की क्षमता और समय अवधि पर निर्भर करता है। नियमित निवेश और धैर्य से बड़ा फंड तैयार किया जा सकता है।

जोखिम से सुरक्षा: सुरक्षित भविष्य की गारंटी : जीवन में अनिश्चितताएं कभी भी आ सकती हैं। जैसे नौकरी का जाना, बीमारी या कोई अन्य आपात स्थिति। ऐसे समय में आपकी वित्तीय योजना पर असर पड़ सकता है।

सुरक्षा के जरूरी उपाय

- इमरजेंसी फंड (6–12 महीने का खर्च)
- लाइफ इंश्योरेंस
- हेल्थ इंश्योरेंस

क्यों जरूरी है सुरक्षा?

- मुश्किल समय में आर्थिक सहारा मिलता है
- परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित होती है
- आपके वित्तीय लक्ष्यों पर असर नहीं पड़ता

एक नजर में लाभ

- पैसों का बेहतर प्रबंधन
- सही निर्णय लेने की क्षमता
- तनाव में कमी
- भविष्य के लिए मजबूत आधार

यह एक जीवनशैली : फाइनेंशियल लिटरेसी सिर्फ एक स्किल नहीं, बल्कि एक जीवनशैली है। यह आपको अपने पैसों के प्रति जागरूक बनाती है और सही फैसले लेने में मदद करती है। चाहे आप कितना भी कमाते हों, अगर आप उसे सही तरीके से मैनेज करना जानते हैं, तो आप अपने सभी वित्तीय लक्ष्यों को हासिल कर सकते हैं। कमाई से ज्यादा जरूरी है समझदारी से खर्च, बचत और निवेश करना। अगर आप आज से ही इन सिद्धांतों को अपनाना शुरू कर देते हैं, तो भविष्य में एक सुरक्षित और समृद्ध जीवन आपका इंतजार कर रहा होगा।

गिरावट के दौर में समझदारी से करें काम

●

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य प्रक्रिया

●

मौजूदा गिरावट को अवसर के रूप में देखें

●

सही रणनीति, धैर्य और लंबी अवधि की सोच के साथ निवेश करें

अब पैसा भी करेगा आपके लिए काम पैसिव इनकम का आसान व स्मार्ट रास्ता

- पहले अपनी इनकम और खर्च को समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं
- अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें
- नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें
- स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार करें

पैसिव इनकम का मतलब है कम मेहनत में लगातार कमाई। इसके लिए पहले अपनी इनकम-खर्च समझें, फिर इमरजेंसी फंड बनाएं। अपनी स्किल्स से कमाई शुरू करें और छोटे-छोटे निवेश करें। नियमित सिस्टम बनाकर धीरे-धीरे आगे बढ़ें, जिससे समय के साथ स्थिर और अतिरिक्त इनकम का स्रोत तैयार हो सके। आप हर दिन मेहनत करके पैसा कमाते हैं। लेकिन जब कुछ पैसा अपने आप भी आपके लिए काम करने लगे, तो एक अलग सुकून मिलता है। यही 'पैसिव इनकम' का आसान मतलब है। यानी एक बार व्यवस्था बना लें और समय के साथ बिना ज्यादा रोजाना मेहनत के पैसा आता रहे। भारत में कई लोगों के लिए यह सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर आर्थिक स्थिरता बनाने का पहला कदम होता है।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

सबसे पहले समझें अपनी इनकम और खर्च

- पैसिव इनकम की शुरुआत करने से पहले अपनी मौजूदा वित्तीय स्थिति को समझना बेहद जरूरी है। हर महीने आपकी कुल आमदनी कितनी है और खर्च किन-किन चीजों पर होता है, इसका साफ हिसाब रखें।
- अपने खर्च को तीन हिस्सों में बांटें जरूरी (राशन, किराया, बिल), जीवनशैली (मनोरंजन, घूमना) और बचत। इसके आपको पता चलेगा कि हर महीने कितना पैसा बचता है, जिसे आप निवेश या किसी पैसिव इनकम स्रोत में लगा सकते हैं।

इमरजेंसी फंड बनाना है पहली प्राथमिकता

कोई भी निवेश शुरू करने से पहले एक मजबूत इमरजेंसी फंड होना जरूरी है। यह फंड कम से कम 3 से 6 महीने के खर्च के बराबर होना चाहिए। इसका फायदा यह है कि अचानक आने वाली मेडिकल, नौकरी या अन्य किसी समस्या के समय आपको अपने निवेश को तोड़ना नहीं पड़ेगा। यह आपकी वित्तीय योजना को सुरक्षित रखता है और आपको मानसिक शांति देता है।

अपनी स्किल को बनाएं इनकम का जरिया

पैसिव इनकम का सबसे आसान और कम जोखिम वाला तरीका है। अपनी स्किल का इस्तेमाल करना। अगर आप किसी चीज में अच्छे हैं, जैसे पढ़ाना, लिखना, डिजाइनिंग, कुकिंग या म्यूजिक, तो उसे डिजिटल फॉर्म में बदल सकते हैं। आप ऑनलाइन कोर्स बना सकते हैं, ई-बुक लिख सकते हैं या वीडियो कंटेंट तैयार कर सकते हैं। एक बार यह काम तैयार हो जाने के बाद, यह लंबे समय तक आपको कमाई देता रहता है।

क्या कहता है 4% रूल

4% रूल के अनुसार आप रिटायरमेंट के पहले साल में अपनी कुल बचत का करीब 4% निकाल सकते हैं। इसके बाद हर साल इस अमाउंट को महंगाई के अनुसार थोड़ा बढ़ाया जाता है। उदाहरण के लिए, अगर आपके पास 50 लाख रुपए की बचत है, तो पहले साल आप करीब 2 लाख रुपए खर्च कर सकते हैं। इसका उद्देश्य यह है कि आपकी बाकी बचत निवेश में बनी रहे और समय के साथ बढ़ती भी रहे।

छोटे निवेश से करें शुरुआत

बहुत से लोग यह सोचकर निवेश शुरू नहीं करते कि उनके पास बड़ी रकम नहीं है। जबकि सच्चाई यह है कि छोटे निवेश भी समय के साथ बड़ा रूप ले सकते हैं। हर महीने एक तय राशि निवेश करना एक मजबूत आदत बनाता है। यह निवेश धीरे-धीरे बढ़ता है और कंपाउंडिंग का फायदा देता है। जरूरी यह है कि आप नियमित रहें और लंबे समय के नजरिए से निवेश करें।

ऑटोमेशन से बनाएं आसान सिस्टम

पैसिव इनकम का असली खेल सिस्टम बनाने में है। आप अपने बैंक अकाउंट से हर महीने ऑटोमैटिक निवेश या बचत की व्यवस्था कर सकते हैं। इससे आपको हर बार सोचने या निर्णय लेने की जरूरत नहीं पड़ेगी। यह छोटा सा कदम आपको अनुशासन सिखाता है और धीरे-धीरे बड़ी संपत्ति बनाने में मदद करता है।

जोखिम और रिटर्न का रखें संतुलन

हर पैसिव इनकम का तरीका पूरी तरह सुरक्षित नहीं होता। कुछ विकल्प ज्यादा रिटर्न देते हैं, लेकिन उनमें जोखिम भी ज्यादा होता है। इसलिए जरूरी है कि आप अपने निवेश को अलग-अलग जगहों पर बांटें। इससे अगर एक जगह नुकसान हो, तो दूसरी जगह से संतुलन बना रहता है। सही संतुलन आपको स्थिर और सुरक्षित इनकम देता है।

लाइफ इंश्योरेंस और सुरक्षा भी जरूरी

पैसिव इनकम की योजना में सुरक्षा को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। एक अच्छा इंश्योरेंस प्लान आपके परिवार को आर्थिक सुरक्षा देता है और आपके निवेश को भी सुरक्षित रखता है। यह आपके वित्तीय प्लान का एक मजबूत आधार बनता है, जिसे अक्सर लोग नजरअंदाज कर देते हैं।

छोटे-छोटे कदम, बड़ा बदलाव

पैसिव इनकम कोई रातों-रात अमीर बनने का तरीका नहीं है। यह एक लंबी प्रक्रिया है, जिसमें धैर्य और अनुशासन की जरूरत होती है। आपको बड़े लक्ष्य के बजाय छोटे-छोटे सिस्टम बनाने पर ध्यान देना चाहिए। जैसे—हर महीने बचत करना, नियमित निवेश करना और साल में एक-दो बार अपनी योजना की समीक्षा करना।

समय के साथ बनती है असली ताकत

पैसिव इनकम की सबसे बड़ी ताकत है समय। जितनी जल्दी आप शुरुआत करेंगे, उतना ज्यादा फायदा मिलेगा। छोटी-छोटी रकम समय के साथ बड़ी बन जाती है और एक स्थिर इनकम का स्रोत तैयार करती है। यह आपको आर्थिक आजादी की ओर ले जाती है, जहां आप सिर्फ काम करने के लिए काम नहीं करते, बल्कि अपने मन से जीवन जी सकते हैं।

पैसे पैसा कमाएं

पैसिव इनकम एक सोच है, जो आपको सिर्फ कमाने से आगे बढ़कर संपत्ति बनाने की दिशा में ले जाती है। इसके लिए जरूरी है कि आप अपनी वित्तीय स्थिति को समझें, सुरक्षा फंड बनाएं, अपनी स्किल का उपयोग करें और छोटे-छोटे निवेश से शुरुआत करें। नियमितता, अनुशासन और सही योजना के साथ आप भी अपने पैसे को अपने लिए काम करने पर मजबूर कर सकते हैं।

शेयर बाजार में हाहाकार कैसे होगा निवेशकों का बेड़ापार

ईरान युद्ध को एक महीना पूरा होने के साथ ही वैश्विक स्तर पर आर्थिक अनिश्चितता का माहौल बन गया है, जिसका सीधा असर भारतीय शेयर बाजार पर भी देखने को मिला है। बीते एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है, जिससे इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू में भी गिरावट आई है। इस उतार-चढ़ाव ने निवेशकों की चिंता बढ़ा दी है और वे अब यह सोचने पर मजबूर हैं कि मौजूदा हालात में उन्हें क्या रणनीति अपनानी चाहिए। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या इस समय इक्विटी में एकमुश्त (लमसम) निवेश करना सही रहेगा? एक्सपर्ट्स का मानना है कि इसका जवाब निवेशक की जोखिम लेने की क्षमता और निवेश अवधि पर निर्भर करता है। वर्तमान में निफ्टी का प्राइस-टू-अर्निंग (पीई) रेश्यो घटकर लगभग 19.7 पर आ गया है, जो सितंबर 2024 के 24.4 के स्तर से काफी नीचे है। ऐतिहासिक रूप से 20 से नीचे का पीई रेश्यो लंबी अवधि के निवेश के लिए आकर्षक माना जाता है। ऐसे में जिन निवेशकों का नजरिया पांच साल या उससे अधिक का है और जो बाजार के उतार-चढ़ाव को सहन कर सकते हैं, वे निवेश के अवसर तलाश सकते हैं।

चरणबद्ध तरीके से निवेश करें

हालांकि विशेषज्ञ एकमुश्त निवेश करने के बजाय चरणबद्ध तरीके से निवेश करने की सलाह देते हैं। उदाहरण के तौर पर, कुल निवेश राशि का लगभग 25-30 फीसदी अभी लगाया जा सकता है, जबकि बाकी रकम को आने वाले महीनों में धीरे-धीरे निवेश किया जा सकता है। इससे बाजार में और गिरावट की स्थिति में निवेशक बेहतर औसत कीमत हासिल कर सकते हैं।

यह भी सुरक्षित रणनीति

एक अन्य सुरक्षित रणनीति सिस्टमैटिक ट्रांसफर प्लान (एसटीपी) हो सकती है। इसमें निवेशक पहले अपनी राशि को किसी लिक्विड फंड में डालते हैं, जहां उन्हें लगभग 6-7 फीसदी का रिटर्न मिल सकता है। इसके बाद यह राशि धीरे-धीरे इक्विटी फंड्स में ट्रांसफर होती रहती है। यह तरीका बाजार के उतार-चढ़ाव के जोखिम को कम करने में मदद करता है।

पोर्टफोलियो की समीक्षा करें

अब बात करते हैं पोर्टफोलियो में बदलाव की। मौजूदा बाजार परिस्थितियां निवेशकों के लिए अपने पोर्टफोलियो की समीक्षा करने का सही समय मानी जा रही हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि निवेशकों को अपनी जोखिम क्षमता, वित्तीय लक्ष्यों और निवेश अवधि को ध्यान में रखते हुए अपने निवेश का पुनर्मूल्यांकन करना चाहिए। यदि किसी निवेशक का पैसा एक ही एसेट क्लास या किसी विशेष सेक्टर में अधिक केंद्रित है, तो उसे विविधता लाने की जरूरत है। बीते कुछ समय में कई निवेशकों ने सोना, चांदी या किसी खास थीमेटिक फंड में अधिक निवेश किया है, जिससे उनका पोर्टफोलियो असंतुलित हो गया है। ऐसे निवेशकों को लार्ज-कैप इंडेक्स फंड्स या फ्लेक्सी-कैप फंड्स जैसे विविधीकृत विकल्पों की ओर रुख करना चाहिए। इससे जोखिम कम होता है और लंबी अवधि में स्थिर रिटर्न मिलने की संभावना बढ़ती है।

एक्सपर्ट्स की सलाह

- गिरावट में घबराएं नहीं, यह निवेश का मौका भी हो सकता है
- लमसम के बजाय चरणबद्ध निवेश अपनाएं
- एसटीपी के जरिए जोखिम कम करें
- पोर्टफोलियो को डाइवर्सिफाइड रखें
- लंबी अवधि का नजरिया बनाए रखें

इसलिए आई गिरावट

ईरान युद्ध के चलते वैश्विक अनिश्चितता बढ़ी है, जिसका असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ दिख रहा है। पिछले एक महीने में निफ्टी करीब 10 फीसदी तक गिर चुका है। इसका सीधा असर इक्विटी म्यूचुअल फंड्स की वैल्यू पर पड़ा है, जिससे निवेशकों में घबराहट का माहौल है।

जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक

जहां तक घाटा दे रही स्कीमों का सवाल है, विशेषज्ञों का मानना है कि जल्दबाजी में निर्णय लेना नुकसानदायक हो सकता है। जिन निवेशकों की निवेश अवधि सात साल या उससे अधिक है, उन्हें डाइवर्सिफाइड इक्विटी फंड्स में निवेश जारी रखना चाहिए और शॉर्ट-टर्म गिरावट को नजरअंदाज करना चाहिए। बाजार में उतार-चढ़ाव सामान्य बात है और लंबी अवधि में यह अक्सर संतुलित हो जाता है।

जोखिम क्षमता से अधिक है, तो पुनर्विचार करें

यदि किसी निवेशक का बड़ा हिस्सा सेक्टोरल या थीमेटिक फंड्स में लगा है और वह उनकी जोखिम क्षमता से अधिक है, तो उसे इस पर पुनर्विचार करना चाहिए। ऐसी स्थिति में अतिरिक्त निवेश कर नुकसान की भरपाई (एवरेजिंग) करना हमेशा सही रणनीति नहीं होती। बेहतर होगा कि निवेशक अपनी हिस्सेदारी को संतुलित करें और जरूरत पड़ने पर इन फंड्स में निवेश कम करके डाइवर्सिफाइड फंड्स में शिफ्ट करें। कुल मिलाकर, मौजूदा बाजार गिरावट को घबराने के बजाय एक अवसर के रूप में देखा जा सकता है, बशर्ते निवेशक धैर्य और समझदारी से काम लें। लंबी अवधि का नजरिया, विविधीकृत पोर्टफोलियो और चरणबद्ध निवेश जैसी रणनीतियां इस अस्थिर माहौल में भी निवेशकों को सुरक्षित और लाभदायक दिशा दे सकती हैं।

खबर संक्षेप

फसलों का मुआवजा घोषित करे सरकार

बवानीखेड़ा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एडवोकेट उमेश भारद्वाज ने बेमौसम बारिश व ओलावृष्टि से किसानों की फसलों को हुए भारी नुकसान पर रोष जताया। उन्होंने कहा कि गेहूं व सरसों की तैयार फसलें बर्बाद होने से किसान आर्थिक संकट में हैं। ऐसे में सरकार को तुरंत प्रभावित क्षेत्रों की विशेष गिरदावरी करवाकर मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए। साथ ही फसल बीमा की अनियमितताओं पर रोक लगाने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार किसानों को राहत देने में विफल रही है और केवल आश्वासन दिए जा रहे हैं।

11 की दादरी विकसित रैली का दिया न्योता

चरखी दादरी। शनिवार को वार्ड एक के जिला पार्षद एवं छात्र नेता मोहित साहू रानीला ने अपने वार्ड के विभिन्न गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से जनसंपर्क किया। उन्होंने 11 अप्रैल को होने वाली दादरी विकसित रैली को लेकर लोगों को जागरूक किया और अधिक से अधिक संख्या में भाग लेने का आह्वान किया। मोहित ने बताया कि रैली विधायक सुनील सतपाल सांगवान के नेतृत्व में होगी, जिसमें वार्ड नंबर एक की भागीदारी सबसे अधिक सुनिश्चित करने का लक्ष्य है। रैली में मुख्यमंत्री चरखी दादरी हल्के के विकास के लिए करोड़ों रुपये की सौगात देंगे।

महिला महाविद्यालय में संगोष्ठी का आयोजन

चरखी दादरी। महिला महाविद्यालय झोझू कलां में भूगोल विभाग द्वारा भू-स्थानिक प्रौद्योगिकी एवं इसके अनुप्रयोग व करियर अवसर विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्काईलाइन इन्सटीट्यूट ऑफ थियोइन्फोमेटिक्स रोहतक के सहयोग से किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में जियोइन्फोमेटिक्स विभाग के अध्यक्ष श्री राकेश चौहान एवं अकादमिक कोऑर्डिनेटर अन्नु श्योराण ने भाग लिया। उन्होंने भू-स्थानिक तकनीक के विभिन्न क्षेत्रों में उपयोग तथा इस क्षेत्र में उपलब्ध संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यवाहक प्राचाया डॉ. मन्जू सांगवान ने संगोष्ठी का शुाारंभ किया।

कुसुंभी में बापोड़ा मंडल भाजपा की संगठनात्मक बैठक आयोजित

सभी बूथों पर मनाया जाएगा पार्टी का स्थापना दिवस

पार्टी का गांव चलो बस्ती चलो अभियान आज से 12 अप्रैल तक चलेगा, नीतियों का किया जाएगा प्रचार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ तोशाम

तोशाम। आयोजित मीटिंग में शामिल होते पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

भाजपा के बापोड़ा मंडल की संगठनात्मक बैठक शनिवार को तोशाम हल्के के गांव कुसुंभी में आयोजित हुई। जिसकी अध्यक्षता भाजपा के बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने की। इस अवसर पर मंच संचालन मंडल महामंत्री दिनेश भारद्वाज और राजा सरपंच ने किया। इस मौके पर बतौर मुख्य वक्ता भाजपा की प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य मीना परमार पहुंची और उन्होंने पार्टी के कार्यक्रमों से अवगत कराया। इस दौरान भाजपा के बापोड़ा मंडल अध्यक्ष जगत कौशिक ने पार्टी कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि 6 अप्रैल को पार्टी का स्थापना दिवस मंडल के सभी बूथों पर पूरे हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा और पार्टी के स्थापना दिवस पर सभी कार्यकर्ता अपने घरों पर पार्टी का झंडा लगाकर सरल एप पर अपने फोटो अपलोड करेंगे। उन्होंने कहा कि 5 अप्रैल से 12 अप्रैल तक पार्टी का गांव चलो बस्ती चलो अभियान शुरू किया जाएगा। इसके बाद 14 अप्रैल को डॉक्टर भीमराव अंबेडकर की जयंती मनाई जाएगी।

इस अवसर पर मंडल प्रभारी प्रदीप प्रजापति, रमेश लालावास, रविंद्र बापौडा जिला कार्यकारिणी सदस्य इमरान बापोड़ा, रोशन सरपंच दिलीप, सीएम विंडो एमिनेंट पर्सन महेंद्र, अजीत शेखावत व पार्टी के सभी बूथ अध्यक्ष, शक्ति केन्द्र प्रमुख मौजूद रहे।

स्थापना दिवस को लेकर किया मंथन

तोशाम। शनिवार को क्षेत्र के गांव कैरु में भाजपा मंडल अध्यक्ष सतीश वर्मा की अध्यक्षता में भाजपा की संगठनात्मक बैठक आयोजित हुई। बैठक में आगामी 6 अप्रैल को मनाए जाने वाले पार्टी स्थापना दिवस की तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई और कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। बैठक में मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मीना परमार ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए कहा कि स्थापना दिवस के अवसर पर प्रत्येक बूथ स्तर पर ध्वजारोहण किया जाएगा और पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों को जन-जन तक पहुँचाया जाएगा। उन्होंने जोर देकर कहा कि कार्यकर्ता संगठन की रीढ़ हैं और हम सब मिलकर स्थापना दिवस को एक उत्सव के रूप में मनाएंगे।

खिलाड़ी वर्ग की बुलंद आवाज थे चौधरी जंगबीर सिंह : विजेंद्र

- पूर्व मंत्री जेपी दलाल तथा जाने माने चिकित्सक डॉ. नरेंद्र त्रेहान ने दी परिवार को सांत्वना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

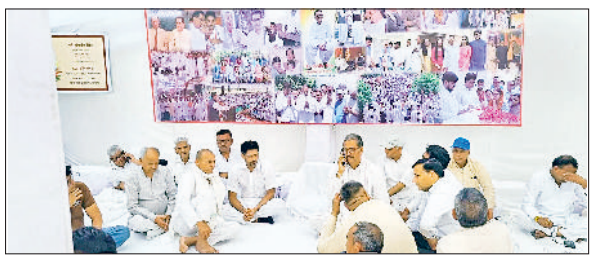

भिवानी। पूर्व सांसद जंगबीर सिंह के निधन पर शोक जताते हुए।

पूर्व सांसद एवं जनप्रिय सामाजिक नेता जंगबीर सिंह के निधन पर विभिन्न क्षेत्रों की प्रमुख हस्तियों ने गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन करने वाले प्रसिद्ध बॉक्सर विजेंद्र सिंह ने कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह केवल राजनेता ही नहीं, बल्कि खिलाड़ियों के सच्चे हितैषी और उनकी आवाज को बुलंद करने वाले मजबूत स्तंभ थे।

उन्होंने कहा कि जंगबीर सिंह ने हमेशा खिलाड़ियों के अधिकारों, सुविधाओं और सम्मान के लिए संघर्ष किया। पूर्व कृषि मंत्री जेपी दलाल ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि चौधरी जंगबीर सिंह का जीवन संघर्ष, सिद्धांतों और जनसेवा का प्रतीक था। इस दुखद अवसर पर देश के विख्यात हृदय रोग विशेषज्ञ एवं मेदांता के संचालक डॉ नरेंद्र त्रेहान ने भी शोकाकुल परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने परिवार से फोन पर बातचीत कर सांत्वना दी।

इन्होंने जताया शोक

इस अवसर पर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करने वालों में दयानंद हवलदार, कर्नल महेंद्र सिंह, कैप्टन जयनारायण, सूबेदार सुरेंद्र सिंह, सूबेदार मेजर वीरेंद्र कुमार, सूबेदार निहाल सिंह, कैप्टन नौरंग, सूबेदार रघुबीर सिंह बागनवाला, सूबेदार चान्दवीर सिंह, रामदेव तायल, गिरवर सिंह राठौर, मनोज सेंटी पूर्व पार्षद, सुरेंद्र टीटीई पूर्व पार्षद, अनिल कुमार पार्षद, अजय कुमार पार्षद, राजीव लोहिया, अजीत बंसल, राजकुमार सांगा, रमेश टमाटरवाला, देशमुख दादरवाल, सुभाष यादव, सतबीर गिरदावर, वेदपाल तहसीलदार, विनोद मिर्ग, प्रेम धमीजा, कर्नल सिंह वाल्मीकि, सतबीर भुक्कल, उमेद दहिया, एडवोकेट योगेश पंघाल, मास्टर तेजबीर, मनीष कुमार क्लर्क एसोसिएशन भिवानी, राममेहर द्रोणाचार्य अवॉर्डी, असन कुमार द्रोणाचार्य अवॉर्डी, सावन कुमार बॉक्सर, संजय बॉक्सर, अजय बॉक्सर, जयभगवान धनाना, मनोज कुमार धनाना, बालकिशन मैदावालाआदि शामिल थे।

नौ माह से बंद पड़े हैं निर्माण मजदूरों के कल्याणकारी लाभ : सुमेर सिंह

बाढ़ड़ा। भवन निर्माण कामगार यूनियन सीटू हरियाणा के जिला संयोजक सुमेर सिंह धारणी ने सरकार पर निर्माण मजदूरों के अधिकारों की अनदेखी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि पिछले करीब नौ माह से निर्माण मजदूरों को मिलने वाले सभी कल्याणकारी लाभ बंद पड़े हैं, जिसे सरकार तथाकथित फर्जीवाड़े का हवाला देकर टाल रही है। सुमेर ने कहा कि वास्तव में फर्जीवाड़ा हुआ है तो सरकार किसी भी दोषी दलाल अधिकारी या गिरोह के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने में विफल रही है। सरकार मजदूरों के वैध अधिकारों पर ही रोक लगाकर उन्हें ही जिम्मेदार ठहराने का प्रयास कर रही है। यूनियन ने आरोप लगाया कि फर्जीवाड़े के नाम पर लाखों वास्तविक निर्माण मजदूरों के पंजीकरण, पेंशन, शिक्षा सहायता, मातृत्व लाभ, औजार सहायता, दुर्घटना सहायता सहित अन्य योजनाओं पर रोक लगाना अन्यायपूर्ण और मजदूर विरोधी कदम है।

आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों को स्कूल के लिए मानसिक एवं शैक्षणिक रूप से किया तैयार

बाढ़ड़ा। गांव जगरामबास आंगनवाड़ी केन्द्र में कार्यक्रम का उद्घाटन करते मास्टर रामबीर श्योराण।

बाढ़ड़ा। खंड के गांव जगरामबास के आंगनबाड़ी केंद्र में कक्षा तत्परता कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मास्टर रामबीर काकडोली ने किया तथा अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र कुमार ने की।

कार्यक्रम का उद्देश्य छोटे बच्चों को प्राथमिक विद्यालय में प्रवेश से पहले मानसिक व शैक्षणिक रूप से तैयार करना रहा। इस दौरान बच्चों को खेल-खेल में सीखने, अनुशासन अपनाने और नियमित रूप से स्कूल जाने को प्रेरित किया। मास्टर रामबीर ने कहा कि आंगनबाड़ी स्तर पर ऐसे कार्यक्रम बच्चों की बुनियाद मजबूत करते हैं और उन्हें आगे की पढ़ाई के लिए आत्म विश्वास देते हैं। वहीं सरपंच प्रतिनिधि देवेंद्र कुमार ने अभिभावकों से बच्चों की शिक्षा पर विशेष ध्यान देने का आह्वान किया। इस अवसर पर मास्टर रामबीर जेबीटी, मास्टर सोमबीर सिंह, देवेंद्र सिंह, नीरज, राजकुमारी, दयावंती, निर्मला, सुमन, बिमला आदि मौजूद रहे।

मोबाइल एवं तकनीक की दुनिया ने बच्चों का बचपन छीन लिया : सांसद

- आदर्श प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव में उड़ान की धूम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लोहारू

लोहारू। आदर्श प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव की शुरूआत करते सांसद धर्मबीर सिंह।

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से सांसद धर्मबीर सिंह ने कहा कि तकनीकी युग में विद्यार्थियों में संस्कारों की सबसे अधिक जरूरत है। एकल परिवारों के कारण विद्यार्थी संयुक्त परिवारों में मिलने वाले संस्कारों से दूर हो रहे है। यहीं नहीं मोबाइल एवं तकनीक की दुनिया ने बच्चों का बचपन छीन लिया है, ऐसे में विद्यार्थियों को मोबाइल से दूर रहने की जरूरत है। सांसद धर्मबीर सिंह आदर्श प्ले स्कूल के वार्षिकोत्सव को बतौर मुख्यतिथि संबोधित कर रहे थे।

वार्षिकोत्सव में स्कूल निदेशक जितेंद्र जांगड़ा ने मुख्यातिथि का स्वागत किया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा बच्चों ने मोबाइल के दुष्प्रभावों से अवगत करवाने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम ने सभी मनमोह लिया। इस मौके पर जिला परिषद वाइस चेयरमैन सुनीता जांगड़ा, नपा चेयरमैन प्रदीप तायल, आरती शर्मा, धनपत सैनी, सुभाष सैनी, रोहतास चौहान, विजय शेखावत, राजेश चैहड़िया, रोहतास लाम्बा, सुधीर चांदवास आदि मौजूद थे।

बाढ़ड़ा। कस्बे की अनाजमंडी में लगी गेहूं की ढेरी। फोटो :हरिभूमि

अनाजमंडी में तीन हजार क्विंटल गेहूं की आवक

बाढ़ड़ा। अनाजमंडी में तीन दिन में तीन हजार क्विंटल गेहूं की आवक हुई है, लेकिन अभी तक गेहूं की खरीद नहीं हुई है। मंडी में अभी तक न बारदाना आया तथा लेबर की भी कमी है, जिसको लेकर किसानों में रोष है। अनाजमंडी में सरसों की 28 मार्च और गेहूं की खरीद एक अप्रैल से शुरू होने के बाद तीन दिनों में तीन हजार क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। मंडी में अब तक तीन हजार क्विंटल से अधिक गेहूं की आवक हुई। दूसरे दिन तक नौ किसानों को गेटपास जारी किए। शनिवार तक तीन हजार क्विंटल से भी अधिक गेहूं की आवक हुई है, लेकिन खरीद शुरू नहीं हो पाई है। खरीद शुरू करवाने को लेकर किसानों में रोष व्याप्त है। ग्रामीण क्षेत्रों में सरसों 63 से 65 सौ रुपये प्रति क्विंटल तक बिक रही है। इसी कारण मंडी में अभी तक सरसों की आवक नहीं हो पाई। मंडी से ग्रामीण क्षेत्र के व्यापारी किसानों के खेतों से उच्चे भावों में सरसों की फसल को खरीद रहे हैं और मंडी के व्यापारियों की सरसों खरीद प्रभावित है। मंडी सुपरवाइजर जयप्रकाश सांगवान ने बताया कि अब तक गेहूं के 78 गेट पास काटे है, जिनमें तीन हजार से अधिक क्विंटल गेहूं की आवक हुई है। बारदाने के लिए अभी एजेंसी का मैसेज नहीं आया है। वहीं गेहूं में नमी बनी हुई है।

बाढ़ड़ा। नामांकन अभियान को गति देने के उद्देश्य से रैली निकालते राजकीय वमा विद्यालय काकड़ौली हुकमी के विद्यार्थी। फोटो :हरिभूमि

नामांकन अभियान को लेकर निकाली रैली

बाढ़ड़ा। काकड़ौली हुकमी के राजकीय वमा विद्यालय के नए शैक्षणिक सत्र के अंतर्गत नामांकन अभियान को गति देने के उद्देश्य से प्रवेश उत्सव एवं नामांकन रैली का आयोजन किया। रैली का नेतृत्व विद्यालय के प्राचार्य सतप्रकाश फौगाट ने किया। रैली का शुभारंभ विद्यालय परिसर से किया, जो गांव की विभिन्न गलियों और मुख्य मार्गों से होकर निकली। छात्रों ने बैनर, स्लोगन एवं प्रचार गीत के माध्यम से शिक्षा के महत्व को दर्शाया तथा अधिक से अधिक बच्चों के सरकारी विद्यालय में नामांकन के लिए प्रेरित किया। रैली के दौरान विद्यालय स्टाफ ने अभिभावकों से सीधे संवाद स्थापित करते हुए उन्हें विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों, योग्य शिक्षकों, आधुनिक सुविधाओं एवं विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। साथ ही विद्यालय में उपलब्ध निःशुल्क पाठ्यपुस्तकें, वर्दी, मध्यान्ह भोजन, छात्रवृति योजनाएं, डिजिटल कक्षाओं तथा खेल एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में विद्यालय की उपलब्धियों के बारे में विस्तार से बताया। प्राचार्य फौगाट ने कहा कि सरकारी विद्यालय आज गुणवतापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे अपने बच्चों का नामांकन सरकारी विद्यालयों में करवाएं, ताकि उन्हें बेहतर एवं समग्र शिक्षा मिल सके।

प्राथमिक पाठशाला सौंदर्यीकरण सूची में शामिल, मुखिया को किया सम्मानित

दीपक कुमार डुमड़ा ▶▶ बवानीखेड़ा

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला ढुंढ़वा जोहड़ के मुखिया विमल कुमार सिंधू को सम्मानित करते हुए।

बवानीखेड़ा खंड के चार विद्यालयों को मुख्यमंत्री सौंदर्यकरण पुरस्कार में शामिल किया गया। जिनमें बवानीखेड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला ढुंढ़वा जोहड़, ढ़ाणी खुश्हाल स्थित राजकीय माध्यमिक विद्यालय, मिलकपुर स्थित राजकीय उच्च विद्यालय, कुंगड़ स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय है। जिन्हें खंड स्तर पर 50-50 हजार रूपए की राशि सौंदर्यकरण करवाने के लिए वितरित की गई। बवानीखेड़ा कलस्टर के राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला ढुंढ़वा जोहड़ के विद्यालय मुखिया विमल कुमार सिंधु को कलस्टर मुखिया संतोष भाकर द्वारा स्टाफ संग मिलकर सम्मानित कया गया। बीते दिनों भिवानी के एडीसी दीपक बाबूलाल द्वारा इन चारों विद्यालयों का निरीक्षण किया था ताकि जिला स्तर पर चार विद्यालयों को सौदर्यकरण में शामिल किया जा सके जहां खंड स्तर पर 50-50 हजार रूपए की राशि का प्रावधान है वहीं जिला स्तर पर एक-एक लाख रुपये की राशि की योजना है। मुख्यमंत्री सौंदर्यकरण पुरस्कार सूचि में शामिल किए जाने पर विद्यालयों के मुखिया व स्टाफ में भी खुशी देखने को मिली। वहीं एडीसी द्वारा बवानीखेड़ा प्राथमिक पाठशाला में पौधारोपण किया।

शिक्षा के साथ-साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान

बवानीखेड़ा स्थित राजकीय मॉडल संस्कृति प्राथमिक पाठशाला ढुंढ़वा जोहड़ के मुखिया विमल कुमार सिंधू ने बताया कि विद्यालय में शिक्षा के साथ साथ स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया जाता है। सौंदर्यकरण से प्राप्त राशि से रंग रोगन, रम्मत, फलैक्स आदि से विद्यालय का नक्शा बदलने का कार्य किया जाएगा।

एडीसी को बनाया ऑल ओवर इंचार्ज

अनुचित भंडारण और चोरी रोकने को लेकर कमेटियों का किया गठन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

मंडियों में विशेषतौर पर सरसों के अनुचित भंडारण/ जमाखोरी और बाजार शुल्क की चोरी रोकने को लेकर डीसी साहिल गुप्ता ने सभी मंडियों में अधिकारियों की विशेष कमेटियों का गठन किया है। एडीसी दीपक बाबूलाल करवा को जिला की निगरानी कमेटी का ऑल ओवर इंचार्ज बनाया है। निगरानी कमेटी के अधिकारी और कमेटियों के सदस्य सरकार द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार सरसों की खरीद व स्टॉक की पूरी निगरानी करेंगे।

डीसी साहिल गुप्ता द्वारा जारी आदेशों के अनुसार भिवानी, लोहारू, तोशाम और सिवानी में संबंधित एसडीएम को निगरानी कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इनके अलावा जुई परचेज सेंटर पर बीडीपीओ केरू, बहल के लिए नायब तहसीलदार बहल, डिगावा के लिए नायब तहसीलदार लोहारू, बवानी खेड़ा के लिए नायब तहसीलदार बवानी खेड़ा ,चांग के लिए बीडीपीओ भिवानी, धनाना के लिए तहसीलदार भिवानी, खरक कला के लिए नायब तहसीलदार भिवानी, कुंगड़ के लिए बीडीपीओ बवानी खेड़ा और पटोदी परचेज केंद्र के लिए नायब तहसीलदार तोशाम को निगरानी कमेटी का अध्यक्ष लगाया गया है। निगरानी कमेटी के अध्यक्ष के साथ-साथ मार्केट कमेटी के संबंधित सचिव, खाद्य पूर्ति विभाग से अधिकारी/ परचेज एजेंसी का निरीक्षक और संबंधित थाना प्रभारी/ पुलिस अधिकारी निगरानी कमेटी के सदस्य हैं। डीसी ने निगरानी कमेटी को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित पैमानों के अनुसार सरसों की खरीद करवाना सुनिश्चित करें।

शिक्षकों को नवीन शिक्षण तकनीकों से अवगत करवाया

चरखी दादरी। रेड रोज मॉडर्न स्कूल शीशवाला में एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का सफल आयोजन किया, जिसमें शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य शिक्षा की गुणवत्ता को बढ़ाना तथा विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षण एवं सीखने की विधियों से जोड़ना रहा। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय की प्राचार्या मीनाक्षी शर्मा के कुशल मार्गदर्शन में संपन्न हुआ।

कार्यशाला में मेंटर के रूप में आलोक प्रताप सिंह एवं रोहित शर्मा जी ने महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। उन्होंने शिक्षकों को नवीन एवं प्रभावी शिक्षण तकनीकों से अवगत कराया, वहीं विद्यार्थियों को अध्ययन के बेहतर तरीके, समय प्रबंधन एवं आत्म-विकास के लिए प्रेरित किया।

मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी : रविंदर वशिष्ठ

- रवि इंडियन कोचिंग स्कूल का वार्षिक समारोह सम्पन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

एमसी कॉलोनी स्थित रवि इंडियन कोचिंग स्कूल में वार्षिक समारोह में बच्चों की शानदार प्रस्तुतियों, उत्कृष्ट परीक्षा परिणामों और विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं में चयन ने सभी का मन मोह लिया।

संस्थान डायरेक्टर रविंदर वशिष्ठ ने मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया, उपहार वितरित करते हुए कहा कि मेहनत, अनुशासन और निरंतर अभ्यास ही सफलता की कुंजी है। जो विद्यार्थी आज मेहनत करेगा, वही कल अपने माता-पिता और देश का नाम रोशन करेगा। उन्होंने बताया कि वर्तमान वर्ष में सैनिक स्कूल में 46 विद्यार्थियों का चयन हुआ। राय स्पोर्ट्स स्कूल में 12 विद्यार्थियों ने टेस्ट क्वालिफाई किया, आरएमएस राष्ट्रीय मिलट्री स्कूल में 5 विद्यार्थियों का चयन हुआ तथा जवाहर नवोदय विद्यालय में 8 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त की। वार्षिक परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को भी सम्मानित किया गया। कक्षा 3 में प्रथम, द्वितीय व तृतीय प्रियांशी, लकी और कुनाल सिंह रहे। कक्षा 4 में आदी शर्मा प्रथम, मानव द्वितीय और अर्पित चाहल , कक्षा 5 में पुनीत प्रथम , वंशिक द्वितीय और प्रतीक तृतीय ने स्थान प्राप्त किया। कक्षा 6 में साहिल श्योराण (प्रथम), देवेश जांगड़ा द्वितीय रहा।

छात्राओं के व्यवहार, स्वास्थ्य एवं कैरियर को लेकर किया संवाद

आदर्श महिला कॉलेज में पीटीएम का आयोजन

पीटीएम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव: डॉ. अलका

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भिवानी। आदर्श महिला महाविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक में चर्चा करते अभिभावक व अध्यापक। फोटो :हरिभूमि

आदर्श महिला महाविद्यालय में अभिभावक-शिक्षक बैठक (पीटीएम) ने नई सोच एवं व्यापक दृष्टिकोण के साथ सभी का ध्यान आकर्षित किया। प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल के मार्गदर्शन में पीटीएम में बड़ी संख्या में अभिभावकों की सहभागिता देखने को मिली। बैठक के दौरान केवल शिक्षा तक सीमित न रहकर विद्यार्थियों के समग्र विकास पर गहन चर्चा की। इस मौके पर शिक्षिकाओं ने अभिभावकों को प्रत्येक छात्रा की शैक्षणिक प्रगति, रुचि, क्षमताओं और सुधार की संभावनाओं के बारे में विस्तार से चर्चा की। इसके साथ ही बदलते समय की मांग के अनुरूप उन्होंने छात्राओं व अभिभावकों को विभिन्न कैरियर विकल्पों और प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं की तैयारी को लेकर भी उपयोगी मार्गदर्शन दिया। पीटीएम में विशेष रूप से छात्राओं के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य, व्यवहार, अनुशासन, भावनात्मक संतुलन को लेकर भी गंभीरता से विचार-विमर्श किया।

प्राचार्या ने शिक्षण स्टाफ को दी बधाई

पीटीएम के सफल आयोजन को लेकर प्राचार्या डॉ. अलका मित्तल ने सभी शिक्षण स्टाफ को बधाई देते हुए कहा कि पीटीएम केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है। शिक्षकों व अभिभावकों के सामूहिक प्रयास से ही छात्राओं का व्यक्तित्व निखरता है । शिक्षिकाओं व अभिभावकों का आपसी तालमेल छात्राओं को ऊंचाई तक पहुंचाने में मददगार साबित होगा। शिक्षिकाओं व अभिभावकों के विचारों का आदान प्रदान व सुधार को लेकर बातचीत में निकले टिप्स छात्राओं को जीवन में सकारात्मकता एवं कैरियर में विशेष उपलब्धि की ओर अग्रसर करेंगे।

खबर संक्षेप

जाट प्रतिभा सम्मान समारोह 12 को होगा

भिवानी। छोटी काशी व खेल नगरी के नाम से विख्यात भिवानी एक बार फिर ऐतिहासिक पलों की साक्षी बनने जा रही है। 12 अप्रैल को स्थानीय जाट धर्मशाला में जाट प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के उन होनहार युवाओं और विभूतियों को सम्मानित करना है जिन्होंने कड़ी मेहनत से विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता के झंडे गाड़े हैं। समारोह में लेफ्टिनेंट जनरल सुखदीप सांगवान मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। उनकी उपस्थिति युवाओं को सेना और देश सेवा के लिए प्रेरित करेगी।

विद्यार्थी बगैर दबाव के बेहतर कर सकेंगे तैयारी

भिवानी। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड द्वारा नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अनुरूप परीक्षार्थियों के हित में लिए गए एक बड़े निर्णय की चहुंओर प्रशंसा हो रही है। बोर्ड ने अब सेकेंडरी और सीनियर सेकेंडरी के विद्यार्थियों को अपने परीक्षा परिणाम और अंकों में सुधार के लिए पुनः परीक्षा का अवसर देने का निर्णय लिया है। इस कदम का स्कूल कैडर लेक्चरर एसोसिएशन हरियाणा (सलाह) ने पुरजोर स्वागत किया है। एसो. के वरिष्ठ प्रदेश उपाध्यक्ष राजबीर शर्मा धारेडू ने इस निर्णय को विद्यार्थियों के भविष्य के लिए मील का पत्थर बताया है। उन्होंने कहा कि कई बार प्रतिभाशाली छात्र दिक्कतों की वजह से मुख्य वार्षिक परीक्षा में क्षमता के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर पाते।

किसानों ने बिजली निगम व राज्य सरकार के विरुद्ध किया प्रदर्शन

गांव जुई से भाखड़ा तक आने वाली लाइन के खंबों का मांगा मुआवजा

लहलाना के पास भाखड़ा गांव में 33 केवी स्टेशन बनना प्रस्तावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अखिल भारतीय किसान सभा भिवानी के नेतृत्व में गोलागढ़ के पास खैरपुरा रोड़ पर खेतों में बैठक हुई। जिसमें आस-पास गांव के किसान पहुंचे और बैठक में जुई से भाखड़ा तक जाने वाली लाईन के मुआवजे संबधी बातचीत हुई। गौरतलब है कि लहलाना के पास भाखड़ा गांव में 33 केवी स्टेशन बनना प्रस्तावित है। उसके लिए यह लाईन चार-पांच गांव के खेतों से होकर लाई जानी है। इसलिए किसान अपने खेत में खड़ा होने वाले पोल का मुआवजा मांग रहे है। बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता पूनिया का कहना है कि विद्युत निगम के नियमानुसार विभाग इन खंबों का मुआवजा नहीं देगा। क्योंकि यह लाइन किसानों व आम जनता को बिजली आपूर्ति हेतु बनने वाले 33 केवी स्टेशन के लिए ले जाई जा रही है।

बिजली निगम के अधीक्षण अभियंता पूनिया का कहना है कि विद्युत निगम के नियमानुसार विभाग इन खंबों का मुआवजा नहीं देगा

भिवानी। खंबे लगाए जाने का विरोध करते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

बना रहता है खतरा

उधर बैठक में उपस्थित प्रभावित किसानों व किसान सभा के जिला प्रधान रामफल देशवाल, उपप्रधान कामरेड ओमप्रकाश व जिला सचिव मास्टर जगरोशन ने कहा कि इन खंबों से किसान के खेत में प्रत्येक खंबा 5 सूकेयर मीटर भूमि घेरता है और तार खेत से होकर गुजरते है। हमेशा खेत में उनसे खतरा बना रहता है, किसान उस जगह पर ट्यूबैल या घर नहीं बना सकता व पेड़ भी नहीं लगा सकता। उसकी जमीन की कीमत भी कम हो जाती है, परन्तु विभाग और सरकार उसे कोई मुआवजा नहीं देना चाहती। यह किसानों के साथ सरासर अन्याय है। प्रभावित किसान इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे और बिना मुआवजे के जबरदस्ती पोल खड़ा नहीं करने देंगे। बैठक में संघर्ष की रूपरेखा तैयार की गई तथा निर्णय लिया गया कि किसानों से बगैर बातचीत व समझौते के बिजली पोल खड़े नहीं होने देंगे।

बैठक में ये रहे मौजूद

बैठक में कर्ण सिंह जैनावास, दलबीर सिंह, श्रीपाल, पवन, सते कुमार, आनन्द कौशिक, रोहतास, मदन, विनोद, बन्शीलाल, विजय, विष्णु, जय प्रकाश, विकास, राजकुमार, सोमबीर प्रजापत, महाबीर फौजी, पृथ्वी सिंह लम्बूरिया, ओम प्रकाश दलाल शामिल रहे।

खेल नर्सरी बंद होने से ग्रामीणों में रोष विधायक कपूर सिंह को सौंपा ज्ञापन

बवानीखेड़ा। बवानीखेड़ा के विश्राम गृह में बलियाली गांव की पंचायत और ग्रामीणों ने खेल नर्सरी का मुद्दा उठाते हुए विधायक कपूर सिंह वाल्मीकि को ज्ञापन सौंपा। ग्रामीणों ने गांव में चल रही खेल नर्सरी को बंद किए जाने पर नाराजगी जताई और इसे दोबारा शुरू कराने की मांग की। इस दौरान बलियाली के सरपंच सचिन सरदाना, सरदार गुरबक्स सिंह, सरदार अशोक सरदाना, सुनील जांगड़ा सहित अन्य ग्रामीण मौजूद रहे। उन्होंने बताया कि गांव में लड़कियों के लिए कबड्डी की खेल नर्सरी संचालित थी, जिसे अब बंद कर दिया गया है। इस नर्सरी से 25 से अधिक लड़कियां कबड्डी की खिलाड़ी के रूप में तैयार हो चुकी हैं और कई खिलाड़ी आगे बढ़ने की राह पर थी। ग्रामीणों ने बताया कि इसके अलावा एथलेटिक्स और लड़कों की कबड्डी की खेल नर्सरी के लिए भी आवेदन किया गया था। सभी आवश्यक मानकों को पूरा करने के बाद फाइल भिवानी से मुख्य कार्यालय तक पहुंच गई थी, लेकिन खेल विभाग की ओर से न तो नई नर्सरी मंजूर की गई और न ही पुरानी को जारी रखा गया, बल्कि उसे भी बंद कर दिया गया। ग्रामीणों का कहना है कि खेल नर्सरी बंद होने से क्षेत्र के युवाओं, खासकर लड़कियों में निराशा का माहौल है। इससे उनकी प्रतिभा प्रभावित हो रही है और भविष्य पर भी असर पड़ रहा है।

बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट और इंग्लिश कम्युनिकेशन का प्रशिक्षण दिया

भिवानी। आयोजित हवन में आहुति डालते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

- हवन व सीआरपी कक्षाओं के साथ वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में विद्यार्थियों के विकास का अनूठा आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

वैश्य इंटरनेशनल स्कूल में 5 दिवसीय सीआरपी कक्षाओं का सफल आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा देना रहा। इन कक्षाओं के दौरान बच्चों को आर्ट एंड क्राफ्ट, डांस, इंग्लिश कम्युनिकेशन, मार्शल आर्ट व सेल्फडिफेंस एवं अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया गया, जिससे उनके आत्मविश्वास एवं रचनात्मकता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई।

नए सत्र के शुभारंभ के अवसर पर शनिवार सुबह विद्यालय में हवन का किया गया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य डॉ. करतार सिंह जाखड़ , वैश्य महाविद्यालय ट्रस्ट अध्यक्ष शिवरतन गुप्ता जी व उनकी धर्मपत्नी सुनीता गुप्ता तथा महासचिव पवन कुमार बुवानी वाला की गरिमामयी उपस्थिति रही। हवन का शुभारंभ विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत राम भजन से की गई।

छात्रों ने हॉर्स राइडिंग का लिया आनंद

इस अवसर पर अध्यक्ष गुप्ता ने कहा कि हवन जैसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में सकारात्मक ऊर्जा, अनुशासन एवं भारतीय संस्कृति के प्रति आस्था जागृत करते हैं, जबकि सीआरपी कक्षाएँ बच्चों के सर्वांगीण विकास, आत्मविश्वास एवं छिपी प्रतिभाओं को निखारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हवन के पश्चात विद्यालय परिसर में हॉर्स राइडिंग का आयोजन किया गया, जो विद्यार्थियों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। इस अवसर पर शिवरत्न गुप्ता जी ने हरी झंडी दिखाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सीआरपी कक्षाओं, हवन एवं हॉर्स राइडिंग जैसे आयोजनों के माध्यम से विद्यालय ने शिक्षा के साथ-साथ संस्कार और जीवन कौशल के महत्व को भी प्रभावी रूप से प्रस्तुत किया।

8 से 18 साल के लड़कों व लड़कियों ने खेल ट्रायल में दिखाया दमखम

- खेल नर्सरी में एथलीट्स ट्रायल का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

हरियाणा व भिवानी जिला की माटी से हमेशा से ही विश्व स्तरीय खिलाड़ी निकलते रहे हैं और इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए ग्राम पंचायत दिनोद की खेल नर्सरी में बच्चों के लिए एथलीट्स ट्रायल का आयोजन किया गया।

इस ट्रायल के माध्यम से गांव और आसपास के क्षेत्रों की उभरती हुई 8 से 18 साल तक के लडक़े वव लड़कियों की ट्रायल ली गई, ताकि उन्हें भविष्य के लिए प्रशिक्षित किया जा सके। ट्रायल के दौरान बच्चों की शारीरिक क्षमता और तकनीकी कौशल को परखने के लिए विभिन्न खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इसमें वैज्ञानिक और पेशेवर तरीकों का उपयोग करते हुए बच्चों के हाइट-वेट का मापन किया गया। इसके अतिरिक्त खिलाडिय़ों की स्फूर्ति और ताकत जांचने के लिए स्टैंडिंग जंप, मेडिसिन बॉल थ्रो, 6बाई10 शटल रन, फॉरवर्ड बैंड एंड रीच और एसवी जंप जैसी कठिन गतिविधियां करवाई गईं। इस अवसर पर उपस्थित एनआईएस कोच कर्मबीर, एथलीट्स कोच राजेंद्र कुमार, एथलीट्स कोच सोहित ने कहा कि ट्रायल्स का मुख्य उद्देश्य बच्चों की प्राकृतिक क्षमता को पहचानना और उन्हें सही तकनीकी मार्गदर्शन देना है।

मुख्यातिथि ने किया मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित

भिवानी। ग्राम पंचायत कारीरूपा स्थित राजकीय प्राथमिक पाठशाला परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया। आयोजन की अध्यक्षता मुख्य अध्यापक नसीब सिंह सांगवान व प्राइमरी हेड अनिल कुमार ने की। अतिथियों ने कार्यक्रम के दौरान मेधावी विद्यार्थियों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि सरपंच प्रतिनिधि बलजीत फौगाट ने भाग लिया और मेधावी बच्चों को स्टेशनरी का सामान देकर किया सम्मानित किया।

उन्होंने कहा कि छोटे बच्चों को सम्मानित करने से उनका आत्मविश्वास बढ़ता है, अच्छे व्यवहार के लिए प्रोत्साहन मिलता है और वे सफलता के लिए प्रेरित होते हैं। यह उनके मानसिक विकास, आत्म-सम्मान एवं सकारात्मक आदतों को मजबूत करता है।

संस्कार पब्लिक स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र का हवन-यज्ञ के साथ शुभारंभ

- स्कूल संचालक डॉ. सुभाष जैन ने बच्चों को बताया हवन का महत्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ चरखी दादरी

शनिवार को संस्कार पब्लिक स्कूल में नए शैक्षणिक सत्र का शुभारंभ हवन यज्ञ के साथ हुआ। हवन में आहुति डालकर सभी ने देवी-देवताओं व विद्या की देवी माता सरस्वती का आह्वान किया। सविता शर्मा ने गायत्री मंत्र के साथ हवन आरंभ किया।

स्कूल संचालक अधिवक्ता डॉक्टर सुभाष जैन ने बच्चों को बताया कि यज्ञ श्रेष्ठ कर्म है, इससे वातावरण की शुद्धि होती हैं और शुभ कार्य के लिए ये बहुत ही फलदायक माना गया है। मुख्याध्यापिका अर्चना शर्मा ने बच्चों को बताया कि नए शिक्षा सत्र पर यज्ञ करवाना लाभकारी होता है, इससे विद्यार्थी अपनी पुरानी वैदिक परंपरा से जुड़े रहते हैं। स्कूल संचालक जैन व मुख्याध्यापिका अर्चना ने स्कूल की मंगल कामना तथा बच्चों के उज्जवल भविष्य के लिए सभी देवी देवताओं से आशीर्वाद की कामना की।

चरखी दादरी। हवन में आहुति डालते शिक्षक व विद्यार्थी।

बवानीखेड़ा। भैणी ठाकरान में कुंआ पूजन करने जाती महिलाएं।

भैणी ठाकरान में बेटी के जन्म पर कुआं पूजन

बवानीखेड़ा। प्रदेश में जहां पारंपरिक रूप से बेटियों के जन्म पर कुआं पूजन नहीं किया जाता, वहीं भैणी ठाकरान गांव के नेहरा परिवार ने इस रूढ़ि को तोड़ते हुए अपनी बेटी के जन्म पर कुआं पूजन कर समाज के सामने एक प्रेरणादायक उदाहरण पेश किया है। इस अवसर पर आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मुन्नी देवी ने भी अपनी पोत्री के जन्म पर कुआं पूजन कर एक नई पहल की शुरुआत की। उनके इस कदम की क्षेत्र में व्यापक सराहना हो रही है और लोग इसे सकारात्मक सामाजिक बदलाव की दिशा में महत्वपूर्ण मान रहे हैं। परिवार की इस पहल के माध्यम से समाज को यह संदेश दिया गया कि बेटियां भी बेटों के समान ही महत्वपूर्ण हैं। यह प्रयास "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" अभियान की भावना को साकार करता है, जिसका उद्देश्य बेटियों को समान अधिकार और सम्मान दिलाना है।

सैनी कल्याण परिषद ने दिया समारोह के लिए निमंत्रण

भिवानी। समाज सुधारक और महान विचारक महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती के उपलक्ष्य में 11 अप्रैल को हनुमान ढाणी में समारोह का आयोजन किया जाएगा। इस आयोजन की तैयारियों को लेकर सैनी कल्याण परिषद सक्रिय हो गई है। इसी कड़ी में परिषद के उपप्रधान ओमप्रकाश सिंह सैनी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने भाजपा जिला अध्यक्ष विरेंद्र कौशिक से मुलाकात की और उन्हें समारोह में बतौर अति विशिष्ट अतिथि शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया। इस अवसर पर प्रतिनिधिमंडल में संगठन सचिव राधेश्याम सैनी ठेकेदार, मुख्य सलाहकार मनीष सैनी और सुरजीत सैनी प्रमुख रूप से मौजूद रहे। परिषद के प्रधान भूप सिंह सैनी व उपप्रधान ओमप्रकाश सैनी ने बताया कि 11 अप्रैल को आयोजित होने वाला यह कार्यक्रम न केवल जयंती समारोह होगा।

भिवानी। कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण देते हुए। *फोटो : हरिभूमि*

भिवानी। डिप्टी अकाउंट जनरल शीशराम प्रजापति का स्वागत करते प्रतिनिधिमंडल।

भिवानी पहुंचे डिप्टी अकाउंट जनरल शीशराम

भिवानी। अरूणाचल प्रदेश में डिप्टी अकाउंट जनरल शीशराम प्रजापति शनिवार को निजी कार्यक्रम के सिलसिले में भिवानी पहुंचे। अपनी माटी और पुराने शिक्षण संस्थान में पहुंचने पर भारतीय प्रजापति हीरोज आर्गेनाइजेशन के प्रतिनिधिमंडल ने पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाऊस में पुष्प गुच्छ भेंटकर शॉल ओढ़ाकर गर्मजोशी से स्वागत किया। बता दें कि आईएएस शीशराम प्रजापति का भिवानी से गहरा नाता है। उन्होंने निजी महाविद्यालय से अपनी शिक्षा प्राप्त की। शनिवार को उसी महाविद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में हिस्सा लेने पहुंचे। स्वागत समारोह के दौरान आर्गेनाईजेशन के प्रदेश सचिव शशी प्रजापति व अधिवक्ता मदन वर्मा ने कहा कि शीशराम प्रजापति न केवल हमारे समाज के लिए बल्कि पूरे भिवानी जिले के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

विभोर ने यूथ स्टेट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में जीता गोल्ड मेडल

पदक विजेता मुक्केबाज विभोर।

चरखी दादरी। जिला चरखी दादरी धीरे धीरे मुक्केबाजी में अपना स्थान पूरे प्रदेश सहित आस पड़ोस के राज्यों व राष्ट्रीय स्तर पर अधिक मजबूत हो जा रहा है। खासकर दादरी जिले की बाक्सिंग संस्थाओं के युवाओं द्वारा विभिन्न राज्य, अंतरराज्यीय, राष्ट्रीय तथा इंटरनेशनल स्तर पर अपनी उपस्थिति पदक जीतते हुए दर्ज करवाई जा रही है, ऐसी ही उपलब्धि रूपाणा बॉक्सिंग क्लब के मुक्केबाज विभोर ने हासिल की हैं। विभारे ने अंडर 19 उत्तर प्रदेश यूथ स्टेट मुक्केबाजी चैंपियनशिप में गोल्ड मेडल प्राप्त कर क्लब का नाम रोशन किया। क्लब संचालक रघुवीर नंबरदार लाडावास व मुख्य कोच कैलाश गिल ने बताया कि मुक्केबाज विभोर ने राज्य स्तर पर बेहतरीन प्रदर्शन कर चुका है। उत्तर प्रदेश में मेडल जीतने के बाद विभोर का चयन आगामी 11 अप्रैल से होने वाली नेशनल चैम्पियनशिप के लिए हुआ हैं। विभोर के शानदार प्रदर्शन पर डीएसओ विष्णु भगवान, प्रदीप फौगाट, कुलदीप साहू, अशोक अहलावत, दारासिंह, डंपी पहलवान, कुलदीप अहलावत ने बधाई दी और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

युवाओं को नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों से अवगत करवाया

- नशा मुक्ति एवं नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने को लेकर कार्यक्रम हुआ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

राजीव गांधी राजकीय महिला महाविद्यालय, भिवानी में एंटी नारकोटिक्स सेल एवं मनोविज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में नशा मुक्ति एवं नशीली दवाओं के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से विशेष कार्यक्रम का भव्य एवं सफल आयोजन किया गया। इस अवसर पर वक्तृत्व प्रतियोगिता, पावर पॉइंट प्रस्तुति एवं स्लोगन निर्माण प्रतियोगिता सहित विविध रचनात्मक गतिविधियों का समावेश था, जिसमें महाविद्यालय की छात्राओं ने बड़ी संख्या में उत्साहजनक रूप से भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से छात्राओं ने नशीले पदार्थों के शारीरिक, मानसिक एवं सामाजिक हानिकारक प्रभावों पर प्रभावी ढंग से विचार व्यक्त किए, नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए संकल्प व्यक्त किया तथा जागरूकता प्रसार के लिए आकर्षक स्लोगन रचे, जिससे परिसर में सकारात्मक वातावरण का संचार हुआ। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मुकेश कुमार ने कुशलतापूर्वक किया, जिन्होंने एंटी नारकोटिक्स सेल के संयोजक के रूप में छात्राओं को नशे के विपरीत दृढ़ इच्छाशक्ति विकसित करने के लिए प्रेरित किया।

विपक्ष ने बिल को लेकर सत्ता पक्ष की उधेड़ी बखियां, पक्ष ने दिया सधा जवाब

महिला छात्र संसद में गूंजा 'विकसित भारत में नारी की भूमिका' बिल

महिला छात्र संसद में देश भर के विभिन्न 22 विश्वविद्यालयों से महिला छात्राओं ने की सहभागिता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

शनिवार को चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों की छात्राओं की महिला संसद में विकसित भारत 2047 में नारी की भूमिका बिल गूंजा। सत्ता पक्ष द्वारा महिला संसद में उक्त बिल पेश किया तो विपक्ष ने बिल की कमियां गिनवानी शुरू कर दी। सत्ता पक्ष ने उक्त बिल से महिलाओं के होने वाले फायदों के बारे में बताना ही शुरू किया था कि विपक्ष के सभी सदस्यों ने हंगामा करना शुरू कर दिया। पर सत्ता पक्ष के सदस्यों ने विपक्ष के हर सवाल का सधा हुआ जवाब देना शुरू किया तो विपक्ष के सदस्यों की जुबान पर ताले लटक गए। बाद में सत्ता पक्ष ने महिला संसद में विकसित भारत 2047 में नारी की भूमिका बिल को बहुमत के साथ ध्वनिमत से पारित करवा लिया। बिल पर बेहतरीन तरीके से बहस करने पर संसद अध्यक्ष(जज) ने दोनों छात्राओं की टीमों को बधाई दी।

संसदीय कार्यप्रणाली से रूबरू होने का मौका

महिला छात्र संसद का आयोजन वास्तविक भारत की संसद की तर्ज पर किया गया ताकि विद्यार्थियों को संसदीय कार्य प्रणाली से रूबरू होने का अवसर मिल सके और वे अपने अंदर बेहतर लीडरशिप के गुण विकसित कर राजनीति को अपना कैरियर बनाकर राष्ट्र निर्माण में अपना महत्त्वपूर्ण योगदान दे सकें। दूसरे दिन महिला छात्र संसद में डीन प्रो संजीव कुमार,डीन स्टूडेंट वेलफेयर डॉ सुरेश मालिक,आयोजन सचिव डॉ सोनल शेखावत, डॉ प्रीति,जनसंपर्क एवं मीडिया सेल कोऑर्डिनेटर ऋषि शर्मा,अनुराग सचान सहित टीम मैनेजर्स एवं प्रतिभागी उपस्थित रहे।

22 विश्वविद्यालय कर रहे भागेदारी

चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय में देश भर के विभिन्न 22 विश्वविद्यालयों से अनेक प्रतिभागियों ने इस राष्ट्रीय स्तर की महिला छात्र संसद में सहभागिता की। एआईयू द्वारा आयोजित इस महिला छात्र संसद के आयोजन का मुख्य उद्देश्य युवा नेतृत्व, लोकतांत्रिक मूल्य और महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देना है। महिला छात्र संसद से महिला छात्रों को वाद विवाद,तर्क वितर्क एवं अपने विचारों की अभिव्यक्ति के साथ ही अपना पक्ष जोरदार तरीके से रखने के साथ संसदीय कार्य जानने और अपने अंदर बेहतर नेतृत्व करने के गुर सीखने के लिए एक बड़ा मंच प्रदान किया जा रहा है। गौरतलब होगा कि चौधरी बंसीलाल विश्वविद्यालय की मुख्य अधिकारी कुलगुरू प्रो दीप्ति धर्माणी एवं कुलसचिव प्रो भावना शर्मा दोनों ही महिला हैं तथा विश्वविद्यालय कैंपस में पढ़ने वाले छात्रों में लगभग 70 प्रतिशत महिला छात्र हैं और शैक्षणिक एवं गैर शैक्षणिक में महिलाओं कर्मचारियों की संख्या भी अच्छी खासी है जो महिला सशक्तिकरण का सशक्त उदाहरण है। महिला छात्र संसद के द्वितीय सत्र में विकसित भारत 2047 के लिए महिला नेतृत्व वाले उद्यमों में खरबों डॉलर के अवसरों को खोलने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का लाभ उठाने के लिए विधान विषय पर विशेष चर्चा की गई।